Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

08 जुलाई 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. तमिलनाडु TB से होने वाली मौतों को कम करने के लिए पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग करने वाला पहला राज्य बन गया।

जुलाई 2025 में, तमिलनाडु क्षय रोग (TB) के रोगियों के लिए एक पूर्वानुमानित मृत्यु मॉडल शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। इस पहल का उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार रोगियों की शीघ्र पहचान करके और जीवन रक्षक देखभाल के लिए उन्हें समय पर अस्पताल में भर्ती कराकर टीबी से संबंधित मृत्यु दर को कम करना है।

• इस मॉडल को तमिलनाडु - कासोनई एराप्पिला थिट्टम (TN-KET) पहल के तहत TB सेवा (गंभीर TB वेब एप्लिकेशन) प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है। इस मॉडल के माध्यम से, चिकित्सक निदान के समय ही मृत्यु के उच्च जोखिम वाले टीबी रोगियों की पहचान कर सकते हैं, जिससे उन्हें तत्काल उपचार या रेफरल को प्राथमिकता देने में मदद मिलती है।

• यह मॉडल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (ICMR-NIE), चेन्नई द्वारा विकसित किया गया है, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) के अंतर्गत एक प्रमुख संस्थान है। यह उपकरण भारतीय आँकड़ों पर आधारित है और विशेष रूप से तमिलनाडु में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है।

• पूर्वानुमानित एल्गोरिदम जुलाई 2022 और जून 2023 के बीच तमिलनाडु भर में सरकारी सुविधाओं में निदान किए गए 56,000 से अधिक TB रोगियों के एक बड़े डेटासेट का उपयोग करके बनाया गया है। मॉडल विभिन्न नैदानिक और जनसांख्यिकीय कारकों को ध्यान में रखता है ताकि यह अनुमान लगाया जा सके कि किन रोगियों को गंभीर जटिलताओं या मृत्यु का सामना करने की सबसे अधिक संभावना है।

Key Points:-

(i) इसके समानांतर, पुडुचेरी भारत का पहला केंद्र शासित प्रदेश (UT) बन गया जिसने परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम (FAP) के तहत टीबी स्क्रीनिंग शुरू की।

(ii) सार्वजनिक स्वास्थ्य में मेडिकल छात्रों की भूमिका को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 2022 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (CBME) पाठ्यक्रम के तहत इसे अनिवार्य किया गया था।

(iii) पुडुचेरी में TB स्क्रीनिंग पहल इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (IGMC) और पुडुचेरी के राज्य टीबी प्रकोष्ठ द्वारा कार्यान्वित की जा रही है, जो टीबी से संबंधित मौतों के कारणों की पहचान के लिए मौखिक शव परीक्षण भी करता है। ये कदम राष्ट्रीय TB उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के साथ संरेखित होकर, 2025 तक TB उन्मूलन के भारत के व्यापक लक्ष्य का हिस्सा हैं।

2. हरियाणा अरावली पहाड़ियों में एशिया का सबसे बड़ा जंगल सफारी बनाएगा।

हरियाणा सरकार ने प्राचीन अरावली पहाड़ियों में गुरुग्राम और नूंह ज़िलों में लगभग 10,000 एकड़ में फैले एशिया के सबसे बड़े जंगल सफारी क्षेत्र को विकसित करने की योजना की घोषणा की है। इस परिवर्तनकारी eco-टूरिज़्म पहल का अनावरण मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 6 जुलाई, 2025 को किया।

• गुजरात के वंतारा वन्यजीव सुविधा केंद्र जैसे मॉडलों से प्रेरित होकर, इस परियोजना का उद्देश्य एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल सफारी क्षेत्र स्थापित करना है जो वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन का समन्वय करेगा। इसमें बड़ी बिल्लियों के लिए क्षेत्र, हर्पेटेरियम, पक्षीशालाएँ, विस्तृत प्राकृतिक पगडंडियाँ, विशिष्ट बायोम और यहाँ तक कि एक पानी के नीचे की दुनिया भी शामिल होगी, जो उष्णकटिबंधीय, तटीय और रेगिस्तानी परिदृश्यों जैसे विविध पारिस्थितिक तंत्रों में फैली होगी।

• पर्यटन के अलावा, इस सफारी को अरावली में जैव विविधता की रक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें हाल के वन्यजीव सर्वेक्षणों के अनुसार, तेंदुए और हिरण से लेकर 180 से अधिक पक्षी प्रजातियों, 29 जलीय और सरीसृप प्रजातियों और 57 तितली प्रजातियों को संरक्षित किया गया है।

Key Points:-

(i) इसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक उत्थान है - प्रस्तावित होम स्टे नीति के तहत टूर गाइडिंग, आतिथ्य, वन्यजीव संरक्षण और होमस्टे में रोजगार के अवसर पैदा करके, परियोजना का लक्ष्य स्थानीय समुदायों को सीधे लाभ पहुंचाना है।

(ii) मुख्यमंत्री सैनी ने पर्यावरण-अनुकूल कार्यान्वयन पर ज़ोर दिया है और वन एवं पर्यावरण विभाग को न्यूनतम पर्यावरणीय व्यवधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य ने अरावली फाउंडेशन का गठन किया है और केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA) के सहयोग से पार्क के डिज़ाइन और संचालन के लिए वैश्विक अभिरुचि पत्र (EOI) के माध्यम से दो अंतरराष्ट्रीय फर्मों को चुना है।

(iii) अधिकारियों का अनुमान है कि 2027 तक सफारी पूरी तरह से चालू हो जाएगी, जिससे हरियाणा हरित पर्यटन में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बन जाएगा, दिल्ली-एनसीआर से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, तथा क्षेत्र में पर्यावरण बहाली के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा।

3. विश्व पर्यावरण दिवस 2025 पर PM मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' लॉन्च किया।

5 जून, 2025 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। इस अभियान का आधिकारिक

उद्घाटन नई दिल्ली के महावीर जयंती पार्क में हुआ, जहाँ प्रधानमंत्री मोदी ने एक पौधा लगाया और नागरिकों से अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाने की अपील की, जिससे प्रकृति के साथ भावनात्मक और पर्यावरणीय जुड़ाव को बढ़ावा मिला।

• अभियान के दूसरे चरण का लक्ष्य 5 जून से 30 सितंबर, 2025 के बीच पूरे भारत में 10 करोड़ पेड़ लगाना है, जिसमें व्यक्तियों, स्कूलों, पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों की सक्रिय भागीदारी होगी।

• यह विस्तार 2024 में शुरू की गई मूल पहल की सफलता पर आधारित है, जिसने पहले ही महत्वपूर्ण वृक्षारोपण लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया था और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी हासिल की थी।

• लॉन्च कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में 200 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता और हरित सार्वजनिक परिवहन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और पुष्ट हुई। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पिछले दशक में भारत के वन क्षेत्र में लगातार वृद्धि हुई है और इस तरह की पहल देश के पारिस्थितिक संतुलन और जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशीलता को और मज़बूत करेंगी।

Key Points:-

(i) उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने इस अभियान में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाई है और एक ही दिन में 37 करोड़ पौधे लगाने के रिकॉर्ड प्रयास की घोषणा की है। इस पहल के तहत, MGNREGA (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम) के तहत स्थानीय श्रम का उपयोग करके पौधे लगाए जाएँगे, साथ ही भाग लेने वाले किसानों और समुदायों के लिए कार्बन क्रेडिट प्रोत्साहनों की भी संभावना तलाशी जाएगी, जिससे यह एक पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक आंदोलन बन जाएगा।

(ii) दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए, अभियान में रोपे गए पौधों की जियो-टैगिंग, पेड़ों के पोषण के लिए सामुदायिक भागीदारी और आईटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस) जैसी संस्थाओं द्वारा जागरूकता अभियान जैसे तंत्र शामिल हैं।

INTERNATIONAL

1. कोलंबिया और उज्बेकिस्तान BRICS समर्थित न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) में नए सदस्य के रूप में शामिल हुए।

5 जुलाई, 2025 को, कोलंबिया और उज़्बेकिस्तान आधिकारिक तौर पर न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) में शामिल हो गए, जो BRICS देशों (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) द्वारा स्थापित एक बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान है। इनके शामिल होने से, NDB की कुल उधार लेने वाली सदस्यता अब 11 देशों तक बढ़ गई है, जिससे बैंक की वैश्विक पहुँच बढ़ गई है।

• यह घोषणा NDB अध्यक्ष डिल्मा रूसेफ ने NDB बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (BoG) की 10वीं वार्षिक बैठक के दौरान की, जो ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो में 17वें BRICS शिखर सम्मेलन से ठीक पहले आयोजित की गई थी। इस रणनीतिक विस्तार का उद्देश्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बैंक की बहुपक्षीय विकास भूमिका को मज़बूत करना है।

• न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना 2015 में BRCS और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बुनियादी ढांचे और सतत विकास परियोजनाओं का समर्थन करने के उद्देश्य से की गई थी।

• वर्तमान सदस्यों में ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), मिस्र, अल्जीरिया और नए शामिल हुए कोलंबिया और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। उरुग्वे को अभी संभावित सदस्य का दर्जा प्राप्त है।

Key Points:-

(i) कोलंबिया और उज़्बेकिस्तान ने शामिल होने के लिए सभी आवश्यक शर्तें पूरी कर ली हैं, जैसे संयुक्त राष्ट्र (UN) के सदस्य देश होना, प्रवेश प्रक्रिया पूरी करना, बोर्ड के अनुमोदन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना और प्रारंभिक पूंजी योगदान पर सहमति देना। इस विस्तार के बाद भी, ब्रिक्स देशों के पास बैंक में कुल मतदान शक्ति का 55% से अधिक हिस्सा बरकरार है।

(ii) इसी बैठक के दौरान, रूस के रोमन सेरोव को 7 सितंबर, 2025 से 6 सितंबर, 2030 तक 5 साल के कार्यकाल के लिए NDB का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस निर्णय ने NDB के शासन ढांचे में रूस की नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत किया।

(iii) इसके अतिरिक्त, रूस के वित्त मंत्री और रूस के NDB गवर्नर एंटोन सिलुआनोव को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (BoG) का अध्यक्ष चुना गया। भारत की ओर से, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का अगला उपाध्यक्ष नामित किया गया।

BANKING & FINANCE

1. इंडियन बैंक और PNB ने न्यूनतम शेष राशि पर शुल्क माफ कर दिया।

इंडियन बैंक ने 3 जुलाई, 2025 को घोषणा की कि वह 7 जुलाई, 2025 से सभी बचत बैंक खातों में न्यूनतम औसत शेष (MAB) न रखने पर लगने वाले शुल्क को पूरी तरह से माफ कर देगा। यह छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों सहित विभिन्न ग्राहक वर्गों के लिए खाता सामर्थ्य बढ़ाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

• साथ ही, पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने 1 जुलाई, 2025 से बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि (MAB) न रखने पर लगने वाले जुर्माने को हटा दिया है, जिसका लक्ष्य महिलाओं, किसानों और कम आय वाले परिवारों को राहत देना है। यह नीति SBI और केनरा बैंक द्वारा हाल ही में उठाए गए कदमों के अनुरूप है, जिससे देश भर में बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच बढ़ेगी।

• ये सुधार भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती और औपचारिक बैंकिंग में आने वाली बाधाओं को कम करने के व्यापक नियामक उद्देश्यों की पृष्ठभूमि में किए गए हैं। MAB शुल्क समाप्त करके, इंडियन बैंक और PNB का लक्ष्य औपचारिक खातों के उपयोग को प्रोत्साहित करना और निष्क्रिय खातों के जोखिम को कम करना है।

Key Points:-

(i) MAB छूट के अलावा, इंडियन बैंक ने उधार लेना

और भी किफ़ायती बनाने के लिए अपनी एक वर्षीय सीमांत निधि लागत आधारित उधार दर (MCLR) को 5 आधार अंकों से घटाकर 9.00% कर दिया है, जो 3 जुलाई, 2025 से प्रभावी होगी। इसी तरह, PNB ने बचत ब्याज दरों में 20 आधार अंकों की कटौती की है।

(ii) कुल मिलाकर, प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों—SBI, PNB, इंडियन बैंक, केनरा बैंक—का यह समन्वित प्रयास समावेशी, ग्राहक-प्रथम बैंकिंग की दिशा में एक निर्णायक कदम है। एक साथ शुल्क माफ़ी और ब्याज दरों में कटौती के साथ, ये बैंक ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं और प्रतिस्पर्धी गतिशीलता के अनुरूप ढलते हुए भारत की वित्तीय समावेशन रणनीति को मज़बूत कर रहे हैं।

MOUs and Agreement

1. भारत ने फार्मा, शिक्षा और प्रवासी संबंधों को बढ़ावा देने के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ छह रणनीतिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

1999 के बाद से त्रिनिदाद और टोबैगो की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जुलाई, 2025 को पोर्ट ऑफ स्पेन में प्रधान मंत्री कमला पर्सा-बिसेसर के साथ छह समझौता ज्ञापनों (MoU) पर हस्ताक्षर किए। समझौतों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, फार्मास्यूटिकल्स, संस्कृति, खेल, राजनयिक प्रशिक्षण और शिक्षा में सहयोग को मजबूत करना है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों की रणनीतिक गहराई को दर्शाता है।

- **इनमें से एक समझौता ज्ञापन भारतीय फार्माकोपिया पर केंद्रित है, जिसे त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय निर्मित दवाओं तक पहुंच को सरल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जबकि दूसरा प्रमुख विकास क्षेत्रों में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (QIPs) के लिए भारतीय अनुदान प्रदान करता है।**

- **इसके अतिरिक्त, खेल, कूटनीतिक प्रशिक्षण में सहयोग समझौते स्थापित किए गए, तथा वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय में हिंदी और भारतीय अध्ययन में दो ICCR पीठों की पुनः स्थापना की गई, साथ ही 2025-28 के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर भी सहमति बनी।**

- **प्रधानमंत्री मोदी ने कई विकासात्मक उपहारों की घोषणा की: छात्रों के लिए 2,000 लैपटॉप, नामदेवको को 80 मिलियन रुपये (1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य की कृषि प्रसंस्करण मशीनरी, 800 व्यक्तियों के लिए कृत्रिम अंग शिविर, साथ ही 20 हेमोडायलिसिस इकाइयों और 2 समुद्री एम्बुलेंस का दान।**

Key Points:-

(i) प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो के विदेश एवं कैरीकॉम मामलों के मंत्रालय मुख्यालय के लिए सौर पैनलों का अनावरण किया तथा त्रिनिदाद एवं टोबैगो के नागरिकों के लिए 'हील इन इंडिया' चिकित्सा कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

(ii) इस यात्रा के दौरान घोषित एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम था त्रिनिदाद एवं टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी (पहले यह चौथी पीढ़ी तक थी) के लिए ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया (OCI) पात्रता का विस्तार, जिससे इसकी 1.4

मिलियन जनसंख्या में से लगभग 40% के अधिकारों में वृद्धि हुई, जिनकी जड़ें भारत में हैं।

(iii) दोनों नेताओं ने वैश्विक नीति निर्माण में सहयोग की पुष्टि की, जिसमें त्रिनिदाद और टोबैगो ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन करने का संकल्प लिया, और भारत ने त्रिनिदाद और टोबैगो की 2027-28 की अस्थायी सदस्यता की आकांक्षाओं का समर्थन किया। ऊर्जा, डिजिटल शासन (UPI, आधार, डिजिलॉकर को अपनाने सहित), स्वास्थ्य सेवा और कृषि में भी सहयोग का संकल्प लिया गया, जिससे वैश्विक दक्षिण साझेदारी और मज़बूत हुई।

SPORTS

1. भारत ने एजबेस्टन में पहली टेस्ट जीत के साथ इतिहास रचा।

भारत ने 6 जुलाई, 2025 को एजबेस्टन, बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों की शानदार जीत हासिल की, जो इस मैदान पर देश की पहली टेस्ट जीत थी। कप्तान शुभमन गिल ने अपने दूसरे ही मैच में टीम को जीत दिलाई और शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से अपनी प्रतिष्ठा को और ऊँचा किया।

- **इस जीत के साथ कई रिकॉर्ड भी बने: भारत ने 1,014 मैच रन बनाए, जो किसी एक टेस्ट में उनका अब तक का सबसे बड़ा पारी स्कोर है। पहली पारी में भारत ने 587 रन बनाए और दूसरी पारी में 427/6 रन बनाकर पारी घोषित की। यह टेस्ट इतिहास का चौथा सबसे बड़ा मैच स्कोर है।**

Key Points:-

(i) शुभमन गिल की बल्लेबाजी का प्रदर्शन मुख्य आकर्षण था: उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी में 161 रन बनाए, कुल मिलाकर 430 रन बनाए - एक टेस्ट मैच में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा रन और पहली बार किसी भारतीय कप्तान ने एक ही मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाया।

(ii) जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में, भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण ने ज़बरदस्त प्रदर्शन किया। आकाश दीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 187 रन देकर 10 विकेट लिए, जो इंग्लैंड में किसी भारतीय द्वारा सर्वश्रेष्ठ मैच गेंदबाजी प्रदर्शन है, जिसमें दूसरी पारी में 99 रन देकर 6 विकेट लेना भी शामिल है। उनका शानदार साथ मोहम्मद सिराज ने दिया, जिन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लिए।

(iii) इस जीत ने 63 साल के सूखे को खत्म कर दिया—भारत ने इससे पहले एजबेस्टन में नौ टेस्ट मैच बिना जीते (सात हार, एक ड्रॉ) खेले थे, जिससे यह पहली जीत एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई। इस जीत ने रनों के लिहाज से भारत की विदेश में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी बनाया, जिसने 2019 में एंटीगुआ में हासिल किए गए 318 रनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

2. मैग्नस कार्लसन ने सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज क्रोएशिया 2025 जीता और डी गुकेश ने तीसरा स्थान हासिल किया।

6 जुलाई, 2025 को, विश्व के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में आयोजित ग्रैंड शतरंज टूर (GCT) 2025 के अंतर्गत सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज़ क्रोएशिया 2025 शतरंज टूर्नामेंट जीता। कार्लसन ने 36 में से कुल 22.5 अंक हासिल किए, जिससे उन्होंने अपना 10वाँ GCT खिताब और वर्ष की लगातार छठी टूर्नामेंट जीत हासिल की।

• सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज क्रोएशिया 2025 ग्रैंड शतरंज टूर 2025 का तीसरा आधिकारिक आयोजन था और यह 30 जून से 6 जुलाई, 2025 तक आयोजित किया गया था। इसमें पिछले जीसीटी टूर्नामेंटों के समान प्रारूप का पालन किया गया, जिसमें रैपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों को मिलाया गया और इसमें शीर्ष वैश्विक खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें तीन वाइल्डकार्ड शामिल थे: मैग्नस कार्लसन, अनीश गिरी और क्रोएशियाई जीएम इवान सारिक।

• इस टूर्नामेंट में कुल 36 अंक दांव पर लगे थे—18 रैपिड से और 18 ब्लिट्ज़ से—जिसमें रैपिड खेलों में खिलाड़ियों को दोगुने अंक मिले। इस आयोजन में कुल 175,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि थी, जिसमें शीर्ष तीन विजेता मैग्नस कार्लसन (40,000 अमेरिकी डॉलर), वेस्ली सो (30,000 अमेरिकी डॉलर) और डी गुकेश (25,000 अमेरिकी डॉलर) थे।

• कार्लसन रैपिड सेक्शन के बाद शुरुआत में 18 में से 10 अंक हासिल करके तीसरे स्थान पर थे। हालाँकि, उन्होंने ब्लिट्ज़ राउंड में ज़ोरदार वापसी की और 12.5 अंक जोड़कर कुल 22.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। ब्लिट्ज़ में उनके प्रदर्शन ने अंतिम राउंड के समापन से पहले ही उनकी जीत सुनिश्चित कर दी।

Key Points:-

(i) संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) का प्रतिनिधित्व करने वाले वेस्ली सो 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रैपिड (8/18) में मामूली प्रदर्शन के बावजूद, उन्होंने ब्लिट्ज़ में 12 अंकों के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन किया, कई उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा और GCT 2025 में लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा।

(ii) भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश 19.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। रैपिड वर्ग में उन्होंने अकेले लीडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन ब्लिट्ज़ राउंड में अपनी फॉर्म बरकरार नहीं रख सके। भारत के ही आर प्रज्ञानंदधा ने कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बावजूद दमदार प्रदर्शन करते हुए 16.5 अंकों के साथ पाँचवाँ स्थान हासिल किया।

(iii) ग्रैंड चेस टूर 2025 का अगला आयोजन सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज़ होगा, जो 10 से 16 अगस्त, 2025 तक अमेरिका के मिसौरी राज्य के सेंट लुइस स्थित सेंट लुइस शतरंज क्लब में आयोजित होगा। यह आयोजन पाँच-इवेंट वाले ग्रैंड चेस टूर 2025 सर्किट का चौथा चरण होगा।

3. नीरज चोपड़ा ने बेंगलुरु में उद्घाटन नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 में स्वर्ण पदक जीता।

भारत के ओलंपिक भाला फेंक चैंपियन, नीरज चोपड़ा ने 5 जुलाई, 2025 को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में 86.18 मीटर के विजयी थ्रो के साथ भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय विश्व एथलेटिक्स गोल्ड-स्तरीय फील्ड इवेंट, नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 में जीत हासिल की।

• प्रतियोगिता में 12 शीर्ष थ्रोअर शामिल थे, जिनमें जूलियस येगो (केन्या) और थॉमस रोहलर (जर्मनी) जैसे विश्व स्तरीय एथलीट शामिल थे। शुरुआती तीन राउंड के बाद, केवल शीर्ष आठ ही आगे बढ़ पाए, जहाँ चोपड़ा ने शुरुआती फ़ाउल के बाद गति पकड़ते हुए शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया।

• जूलियस येगो ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 84.51 मीटर के साथ रजत पदक जीता, जबकि श्रीलंका के रुमेश पथिरगे ने 84.34 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। इस आयोजन में 14,500 से ज़्यादा दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे ट्रैक और फ़ील्ड में लोगों की रुचि बढ़ी।

Key Points:-

(i) भारतीय प्रतियोगियों में, सचिन यादव ने टखने की चोट के बावजूद 82.33 मीटर की थ्रो फेंककर प्रभावित किया और पोडियम से बस थोड़ा ही पीछे रह गए। कुल मिलाकर, पाँच में से तीन भारतीय थ्रोअर्स ने घरेलू प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए फाइनल चरण में प्रवेश किया।

(ii) नीरज चोपड़ा ने अपने देश में विश्व स्तरीय भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी पर गर्व व्यक्त किया और भारतीय एथलीटों को प्रोत्साहित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया, जिससे उन्हें क्लासिक को एक बहु-विषयक प्रतियोगिता में विस्तारित करने की उम्मीद है। 2025 में सीज़न के सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर के बाद, उनके विजयी प्रदर्शन ने उनकी विशिष्ट स्थिति को और पुख्ता किया।

(iii) यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ा कदम है, जो उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की क्षमता प्रदर्शित करती है तथा राष्ट्रीय स्टेडियमों में दर्शकों की संख्या को पुनः बढ़ाती है - जो दीर्घकालिक खेल विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।

4. पूर्व सांसद और विधायक कुंवर आनंद सिंह का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ राजनेता और गोंडा से पूर्व सांसद कुंवर आनंद सिंह का 6 जुलाई 2025 को 87 वर्ष की आयु में लखनऊ में निधन हो गया। उनके आवास पर अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उनकी मृत्यु हो गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

• मनकापुर के पूर्ववर्ती शाही परिवार के वंशज आनंद सिंह ने अपनी स्कूली शिक्षा लखनऊ के

कॉल्विन तालुकदार कॉलेज से पूरी की और इलाहाबाद कृषि संस्थान (अब इलाहाबाद विश्वविद्यालय) से कृषि में BSc की डिग्री हासिल की।

• उन्होंने 1960 के दशक में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में चार बार (1971, 1980, 1984, 1989) गोंडा से लोकसभा के लिए चुने जाने से पहले वे विधायक के रूप में कार्यरत रहे।

Key Points:-

(i) 1990 के दशक में अपनी संसदीय सीट हारने के बाद, वह 2012 में राज्य की राजनीति में लौट आए, गौरा से जीत हासिल की और 2017 तक अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी सरकार में कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया।

(ii) "यूपी टाइगर" के नाम से मशहूर सिंह का पूर्वी उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण प्रभाव था, जो अक्सर अपने गहरे राजनीतिक नेटवर्क के माध्यम से स्थानीय चुनावी नतीजों को आकार देते थे।

(iii) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने उनकी विरासत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके निधन से उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण युग का अंत हो गया है। वे अपने पीछे पत्नी रानी वीणा सिंह, तीन बेटियों और पुत्र कीर्ति वर्धन सिंह (वर्तमान सांसद एवं विदेश राज्य मंत्री) को छोड़ गए हैं।

INDEX

1. विश्व बैंक के 2025 Gini सूचकांक में भारत को वैश्विक स्तर पर चौथा सर्वाधिक समान समाज का दर्जा दिया गया।

वर्ष 2022-23 के आंकड़ों के आधार पर विश्व बैंक के गिनी सूचकांक 2025 के अनुसार, आय वितरण के मामले में भारत को दुनिया में चौथा सबसे समान समाज का दर्जा दिया गया है।

• भारत ने 25.5 का Gini स्कोर हासिल किया, जिससे वह स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस से थोड़ा पीछे तथा अमेरिका और चीन सहित सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं से आगे हो गया।

• आय असमानता का एक व्यापक रूप से प्रयुक्त मापक, Gini सूचकांक, 0 (पूर्ण समानता) से 100 (पूर्ण असमानता) तक होता है। भारत का 25.5 का स्कोर इसे "मध्यम रूप से कम असमानता" श्रेणी (25-30) में रखता है और इसे "कम असमानता" समूह (25 से नीचे) के करीब लाता है। यह समावेशी विकास और अपनी जनसंख्या में समान आय वितरण की दृष्टि से भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

• भारत का Gini स्कोर 2011-12 में 28.8 से बढ़कर 2022-23 में 25.5 हो गया, जो निरंतर गरीबी में कमी और समावेशी कल्याण प्रयासों के प्रभाव को दर्शाता है।

Key Points:-

(i) भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका (Gini 41.8) और चीन (Gini 35.7) जैसी प्रमुख विकसित और

उभरती अर्थव्यवस्थाओं से आगे है, और आय समानता के मामले में अन्य सभी G7 और G20 देशों से भी आगे है। ये आँकड़े विकासशील देशों में समान विकास के एक वैश्विक उदाहरण के रूप में भारत की स्थिति को पुष्ट करते हैं।

(ii) इस प्रगति को प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY), प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) जैसी प्रमुख सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है। इन कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, खाद्य सुरक्षा और बुनियादी आय स्थिरता को बढ़ाया है, जिससे ग्रामीण और शहरी गरीबों के बीच आय समानता पर सीधा प्रभाव पड़ा है।

(iii) विश्व बैंक ने भारत में अत्यधिक गरीबी में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। 2011-12 और 2022-23 के बीच, लगभग 17.1 करोड़ भारतीयों को अत्यधिक गरीबी (2.15 डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीवन यापन) से बाहर निकाला गया, और अत्यधिक गरीबी दर 16.2% से घटकर केवल 2.3% रह गई। 3 डॉलर प्रतिदिन की उच्च गरीबी रेखा का उपयोग करते हुए, गरीबी दर 5.3% पर बनी हुई है, जो पिछले दशक में देश के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को और पुष्ट करती है।

IMPORTANT DAYS

1. विश्व ग्रामीण विकास दिवस पहली बार 6 जुलाई, 2025 को विश्व स्तर पर मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र (United Nations – UN) द्वारा घोषित पहला विश्व ग्रामीण विकास दिवस (World Rural Development Day – WRDD) वैश्विक स्तर पर 6 जुलाई 2025 को मनाया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण समुदायों की विकास में भूमिका को रेखांकित करना और सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals – SDGs) के तहत समावेशी और टिकाऊ ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना है।

• यह दिवस एशिया और प्रशांत के लिए एकीकृत ग्रामीण विकास केंद्र (CIRDAP) की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में भी मनाया गया, जिसकी स्थापना 6 जुलाई 1979 को ढाका, बांग्लादेश में की गई थी।

• WRDD 2025 की थीम थी: "ग्रामीण सशक्तिकरण – वैश्विक प्रभाव"। इसमें किसानों, आदिवासियों, युवाओं, और महिलाओं की भूमिका को महत्व दिया गया जो कृषि सुधार, खाद्य सुरक्षा, पारिस्थितिकीय संरक्षण, और डिजिटल/वित्तीय समावेशन में योगदान दे रहे हैं।

• 2025 के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल थे: ग्रामीण गरीबी और भूख का उन्मूलन, जलवायु सहनशील आजीविकाएं, डिजिटल और वित्तीय समावेशन, महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाना, और बेहतर बुनियादी ढांचा एवं सेवाएं। यह सभी लक्ष्य सीधे SDG 1 (गरीबी नहीं), SDG 2 (भूख नहीं) और SDG 8 (सम्मानजनक कार्य और आर्थिक वृद्धि) से जुड़े हुए हैं।

Key Points:-

(i) इस दिवस को हर वर्ष 6 जुलाई को मनाने का निर्णय 6 सितंबर 2024 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (United Nations General Assembly – UNGA) द्वारा पास किए गए प्रस्ताव A/78/L.84/Rev.2 के तहत लिया गया। यह प्रस्ताव बांग्लादेश द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

(ii) इस प्रस्ताव को 30 से अधिक देशों (जैसे भारत, इंडोनेशिया, श्रीलंका, थाईलैंड, फिलीपींस आदि) ने सह-प्रायोजित किया और इसे सर्वसम्मति से अपनाया गया। WRDD को UN की आधिकारिक कैलेंडर में शामिल कर, अब वैश्विक स्तर पर ग्रामीण समुदायों की भूमिका को मान्यता मिल गई है और उनके लिए समर्पित नीतिगत परिवर्तन की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

2. विश्व किस्वाहिली भाषा दिवस 2025 विश्व स्तर पर 7 जुलाई को मनाया गया।

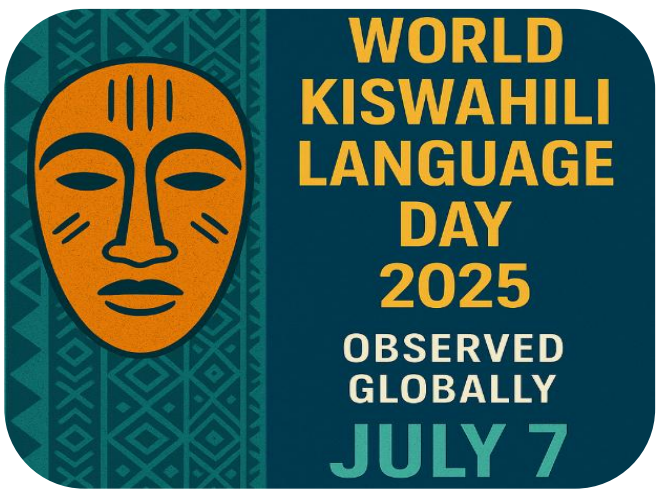

विश्व किस्वाहिली भाषा दिवस 2025, 7 जुलाई को विश्व स्तर पर मनाया गया, जो UNESCO द्वारा घोषित इस कार्यक्रम का चौथा उत्सव है, जो सांस्कृतिक एकता, बहुभाषावाद और सतत विकास को बढ़ावा देने में किस्वाहिली के महत्व पर प्रकाश डालता है।

• 2025 का विषय - "किस्वाहिली: सांस्कृतिक विविधता और अंतरसांस्कृतिक संवाद के लिए एक सेतु" - अफ्रीका भर में विविध संस्कृतियों को जोड़ने और साझा मानव विरासत को बढ़ावा देने में भाषा की भूमिका को दर्शाता है।

• किस्वाहिली, जिसे स्वाहिली भी कहा जाता है, एक बंटू भाषा है जिस पर अरबी भाषा का गहरा प्रभाव है और जिसे पूर्वी, मध्य और दक्षिणी अफ्रीका में 20 करोड़ से ज़्यादा लोग बोलते हैं। यह दुनिया भर में दस सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है और उप-सहारा अफ्रीका में एक प्रमुख लोकभाषा है।

• इसकी उत्पत्ति 7वीं और 15वीं शताब्दी के बीच पूर्वी अफ़्रीकी तट पर हुई, जहाँ व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से इसका विकास हुआ। "स्वाहिली" शब्द अरबी शब्द "सवाहिली" से निकला है, जिसका अर्थ है "तट का"।

Key Points:-

(i) संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) ने नवंबर 2021 में आधिकारिक तौर पर इस दिन की घोषणा की, जिससे किस्वाहिली पहली अफ्रीकी मूल की भाषा बन गई जिसे अपना संयुक्त राष्ट्र भाषा दिवस प्राप्त हुआ। पहली बार यह दिवस 7 जुलाई 2022 को मनाया गया था और यह उत्सव प्रतिवर्ष 7 जुलाई को मनाया जाता है।

(ii) विश्व किस्वाहिली भाषा दिवस प्रमुख लक्ष्यों को बढ़ावा देता है: बहुभाषिकता को आगे बढ़ाना, क्षेत्रीय एकीकरण का समर्थन करना, सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करना, और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप शिक्षा और शांति को बढ़ाना।

(iii) 2025 के उत्सव में पेरिस में UNESCO मुख्यालय में पैनल चर्चा और रवांडा जैसे पूर्वी अफ्रीकी देशों में क्षेत्रीय उत्सव शामिल थे, जिसमें सांस्कृतिक आदान-प्रदान, युवा मार्गदर्शन और किस्वाहिली की शैक्षिक और विकासात्मक भूमिकाओं

पर शैक्षणिक मंच शामिल थे।

DEFENCE

1. कोचीन शिपयार्ड ने भारत के जहाज निर्माण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए दक्षिण कोरिया के KSOE के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के जहाज निर्माता, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) ने हाल ही में दक्षिण कोरिया की HD कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (KSOE), HD हुंडई कंपनी लिमिटेड की सहायक कंपनी के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य जहाज निर्माण, समुद्री कार्यबल विकास और वैश्विक समुद्री नवाचार में भारत की क्षमताओं को बढ़ाना है।

- **यह रणनीतिक सहयोग भारत सरकार के 'मैरीटाइम इंडिया विजन (MIV) 2030' और 'मैरीटाइम अमृत काल विजन (MAKV 2047)' के दृष्टिकोण के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।**
- **दोनों दृष्टिकोण शिपिंग क्षेत्र में तकनीकी मानकों और बुनियादी ढांचे को उन्नत करके भारत को एक अग्रणी वैश्विक समुद्री केंद्र में बदलने के लिए समर्पित हैं।**
- **समझौता ज्ञापन की शर्तों के तहत, CSL और KSOE भारत और विदेशों में जहाज निर्माण के अवसरों का संयुक्त रूप से पता लगाएँगी। दोनों कंपनियाँ जहाज निर्माण तकनीक साझा करने, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तकनीकी क्षमताओं का विस्तार करने और अपने परिचालनों में उत्पादकता और उपयोगिता बढ़ाने के क्षेत्रों की पहचान करने पर काम करेंगी।**

Key Points:-

(i) इस सहयोग का एक प्रमुख फोकस क्षेत्र कौशल विकास है। कंपनियाँ समुद्री पेशेवरों को प्रशिक्षित और कुशल बनाने के लिए पहल करेंगी, जिससे जहाज निर्माण और संबद्ध क्षेत्रों की भविष्य की माँगों को पूरा करने के लिए एक मज़बूत और अधिक सक्षम कार्यबल सुनिश्चित होगा। इसमें जहाज निर्माण से संबंधित अनुसंधान, डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान में सहयोगात्मक प्रयास भी शामिल हैं।

(ii) समझौता ज्ञापन को सरकार समर्थित वित्तीय ढांचे जैसे कि हाल ही में लॉन्च किए गए 250 करोड़ रुपये (2.5 बिलियन रुपये) समुद्री विकास कोष द्वारा समर्थित किया गया है, जिसका उद्देश्य जहाज निर्माण में निवेश को बढ़ावा देना, बंदरगाह बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और भारत के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में तकनीकी उन्नयन करना है।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. NASA ने 3I/ATLAS की खोज की - 'Oumuamua और बोरिसोव' के बाद सौर मंडल में तीसरा अंतरतारकीय धूमकेतु पाया गया।

जुलाई 2025 में, नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA), संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) ने आधिकारिक तौर पर 3I/ATLAS (C/2025 N1) नामक एक दुर्लभ अंतरतारकीय धूमकेतु की खोज की पुष्टि की।

• यह नव खोजा गया धूमकेतु हमारे सौर मंडल के बाहर से उत्पन्न हुआ है, जिससे यह 1I/'Oumuamua (2017) और 2I/बोरिसोव (2019) के बाद हमारे सौर पड़ोस में पाया गया तीसरा पुष्टिकृत अंतरतारकीय वस्तु (ISO) बन गया है।

• यह खोज एटलस (क्षुद्रग्रह स्थलीय-प्रभाव अंतिम चेतावनी प्रणाली) द्वारा चिली के रियो हर्टाडो में स्थित एक दूरबीन का उपयोग करके की गई थी। इस अंतरतारकीय धूमकेतु की निगरानी यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) के ग्रहीय रक्षा कार्यालय के समन्वय से की जा रही है, जो पृथ्वी के निकट संभावित खगोलीय खतरों के अवलोकन में सहायता करता है।

• 3I/ATLAS वर्तमान में सूर्य से अनुमानित 670 मिलियन किलोमीटर की दूरी पर बाहरी सौर मंडल से होकर गुज़र रहा है और 60 किमी/सेकंड (लगभग 2,14,364 किमी/घंटा) की आश्चर्यजनक गति से गति कर रहा है। इस धूमकेतु का व्यास लगभग 20 किमी तक होने का अनुमान है, जो इसे एक काफ़ी बड़ा अंतरिक्ष पिंड बनाता है।

Key Points:-

(i) NASA के अनुसार, 3I/ATLAS 30 अक्टूबर, 2025 के आसपास सूर्य के सबसे करीब पहुंचेगा और 2 अक्टूबर, 2025 को मंगल के पास से गुजरेगा। यह 19 दिसंबर, 2025 को पृथ्वी के सबसे करीब पहुंचेगा, लेकिन फिर भी लगभग 270 मिलियन किलोमीटर की सुरक्षित दूरी पर रहेगा।

(ii) धूमकेतु के सितंबर 2025 तक दिखाई देने की उम्मीद है, जिसके बाद यह अस्थायी रूप से दूरबीन दृश्य से गायब हो सकता है और दिसंबर 2025 में फिर से दिखाई देने की संभावना है। वैज्ञानिक इस वस्तु को हमारे सौर मंडल से परे बर्फीले खगोलीय पिंडों की उत्पत्ति और संरचना का अध्ययन करने के लिए मूल्यवान मानते हैं।

Static GK

Trinidad & Tobago	राजधानी: पोर्ट ऑफ स्पेन	अध्यक्ष: क्रिस्टीन कंगालू
Indian Bank	MD और CEO : श्री बिनोद कुमार	मुख्यालय: चेन्नई
Cochin Shipyard	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक: मधु एस. नायर	स्थापना: 1972
Indian Council of Medical Research - National Institute of Epidemiology (ICMR-NIE)	निदेशक : डॉ. मनोज मुरहेकर	मुख्यालय : चेन्नई, तमिलनाडु (TN)
New Development Bank (NDB)	अध्यक्ष: डिल्मा रूसेफ	मुख्यालय: शंघाई, चीन
World Bank	CFO : अंशुला कांत	मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका
Haryana	मुख्यमंत्री: नायब सिंह सैनी	राज्यपाल: बंडारू दत्तात्रेय